





- 1- मैं वाणेश जी का एक शौली बनाई हूँ।
- 2- मैं धैरि हूँ इसलिए मामाने मेरी सहायता की।
- 3- मामाने वाणेश जी का और और शंड बना दिया।
- 4- बाकि सब मैंने बनाई।
- 5- मैं अलग अलग तरीके की शंका डालि। जैसे लाल, हरी, पिला, निल, नारंगि और बैंगनी
- 6- फिर मैं वाणेश जी को मुकुट की पत्रकिल बना दिया।
- 7- आशा करती हूँ म्यास को और

मैंने सारे बीसवीं को मैंने मर्णर  
जी की शैलि बहुत पसंद आया

[धन्यवाद]